राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9798431468

प्रेस–विज्ञप्ति

कोरोना महामारी के दौरान चिकित्सकों व चिकित्साकर्मियों की सेवा सराहनीय–राज्यपाल

पटना, 23 अक्टूबर 2021

''वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान चिकित्सकों एवं अन्य चिकित्साकर्मियों ने अपने जीवन को खतरे में डालकर फ्रंटलाईन वर्कर के रूप में जिस निडरता, तत्परता, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं के साथ मरीजों की सेवा की वह अत्यंत सराहनीय है।'' –यह बातें महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने इसाकॉन पूर्वी क्षेत्र के 30वें एवं इसाकॉन बिहार एवं झारखंड के 33वें सम्मेलन–2021 के उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि उस दौरान एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स ने तो आईसोलेशन वार्ड एवं आई०सी०यू० में भर्ती और वेन्टीलेटर पर इलाजरत गंभीर मरीजों की महती सेवा की है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को धरती पर भगवान का रूप माना जाता है। उन्हें निष्ठापूर्वक मरीजों की सेवा कर आमजन की इस धारणा को चरितार्थ करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि पृष्ठभूमि में रहकर कार्य करनेवाले एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स आजकल ऑपरेशन थियेटर के बाहर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दर्द प्रबंधन के क्षेत्र में उन्होंने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। सर्जरी के बाद की अवधि में दर्द के अतिरिक्त कैंसर सहित अन्य बीमारियों में होने वाले असहनीय दर्द का प्रबंधन भी इनके द्वारा किया जाता है। वे आई०सी०यू० के प्रमुख संचालक होते हैं तथा उनके उपर वहाँ भर्ती मरीजों की देखभाल की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। आपदा प्रबंधन के लिए गठित डॉक्टरों की टीम में भी एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे दुर्घटना या किसी भी आकस्मिक कारण से अंतिम साँसें लेते हुए व्यक्ति में जीवन का पुनः संचार कर उसकी जीवन रक्षा का प्रयत्न करते हैं।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। वे सर्जरी के पहले, इसके दौरान एवं सर्जरी के बाद भी रोगी की देखभाल करते हैं और उन्हें दर्द से राहत दिलाने का हरसंभव प्रयास करते हैं। यह काम देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन वास्तव में कठिन होता है। एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स सर्जरी के दौरान बेहोशी की अवस्था को नियंत्रित रूप से बनाये रखते हैं और संपूर्ण शल्य क्रिया के सूत्रधार होते हैं। वे ध्यान रखते हैं कि ऑपरेशन की पूरी प्रक्रिया बिना दर्द के पूरी हो जाय और उस दौरान मरीज के सभी अंग ठीक ढ़ंग से कार्य करें। वे सर्जरी के पहले, इसके दौरान एवं सर्जरी के बाद मरीज की श्वसन प्रक्रिया, हृदय गति आदि पर भी नजर रखते हैं। अपने कार्यों को भली–भाँति सम्पन्न करने हेतु उन्हें विशेष प्रकार की कुशलता एवं विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि इस सम्मेलन में भाग ले रहे देश के विभिन्न हिस्सों से आये 400 से अधिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स द्वारा अपने ज्ञान एवं अनुभव को एक–दूसरे के साथ साझा कर निश्चेतना, दर्द निवारण एवं क्रिटिकल केयर के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधानों एवं तकनीकों से परिचित होने का अवसर मिलेगा तथा रोगियों को विशेष लाभ मिलेगा।

राज्यपाल ने इस सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया।

होटल मौर्या, पटना में आयोजित इस कार्यक्रम में नेशनल जी०सी० के सदस्य डॉ० मनोज कुमार, बी०जे०एस०ए० के अध्यक्ष डॉ० बी०के० प्रसाद, बी०जे०एस०ए० के सचिव डॉ० शरद कुमार, आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ० विजयेन्द्र प्रसाद, आयोजन समिति के सचिव डॉ० सुकेश कुमार एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....